AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

बीजापुर क्षेत्र में माओवादी जनाधार का विश्लेष्णात्मक अध्ययन

ORIGINAL ARTICLE

Authors

प्रो. गिरीश कांत पांडेय
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, रक्षा अध्ययन विभाग
शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय
रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

प्रो. प्रवीण कुमार कड़वे
सहा. प्राध्यापक, रक्षा अध्ययन विभाग
शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय
रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

एवं

तोरण सिंह ठाकुर
शोधार्थी, रक्षा अध्ययन विभाग
शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय
रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

शोध सार

छत्तीसगढ़ की आंतरिक सुरक्षा में माओवादी सबसे बड़ी समस्या है। लोकतांत्रिक देश भारत में अलोकतांत्रिक सरकार की मांग को लेकर लडने वाले माओवादी और राज्य की सुरक्षा में लगे सुरक्षाबलों के मध्य लड़ाई में जनता निर्णायक है। माओवादी बिना जनाधार के अपने सपने को पूरा नहीं कर पायेंगे, उसके लिये उन्हे बहुत से लोगो का खून बहाना होगा। बीजापुर क्षेत्र की सामरिकी, दृष्टि से नक्सलियों के लिये महत्वपूर्ण केन्द्र है। यहॉ उनका बढ़ता जनसंगठन जनता सरकार के धूमिल ख्वाब का आभास देता है। माओवादी सैन्य शखा के गतिविधियों से सुरक्षाबलों ने बखुबी से लड़ते और रोकते आ रहे है, लेकिन नई बढ़ती माओवादी भर्ती हमें चेतावनी दे रही है कि माओवादी सैन्य और जनसंगठन में बहुत आगे बढ़ चुकी है। सैन्य शाखा कभी भी हमारे सुरक्षा बलों से जीत नहीं पायेगी, लेकिन माओवादी जनसंगठन को रोकने के लिये प्रशासन व शासन को जनता का जनाधार बढ़ाना होगा, क्योंकि विचारधारा की लड़ाई में विश्वास अहम भूमिका अदा करता है। बीजापुर जिले में घटता जनाधार छत्तीसगढ़ की आंतरिक सुरक्षा के लिये महत्वपूर्ण विषय है।

मुख्य शब्द

बीजापुर, सुरक्षाबल, माओवादी, आंतरिक सुरक्षा, लोकतंत्र.

प्रस्तावना

भारत विश्व की सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था है, यह विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नाम से प्रसिद्ध है। लोकतंत्र में जनता की भागीदारी की सबसे बड़ी प्राथमिकता होती है, क्योंकि उनके मत से जो सरकार बनती है। वह सभी के हित के लिये कार्य करेगी और जो दल सरकार नहीं बनाती वह लोकतांत्रिक तरीके से जनता की मांगो को सरकार तक पहुँचाती है। भारत में लोकतंत्र को माओवादी नहीं मानते, उन्हे अपनी स्वयं की सरकार चाहिये जिसमें जनता केवल सरकार को देख सकती है चुन नहीं सकती। चूंकि इस तरह की सरकार भारत में बनना नामुंकिन है इसलिये माओवादी अपने भू–सामरिकता को ध्यान रखकर चिन्हित क्षेत्रों में अपनी पैठ बसाये हुये।

छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर में स्थित बीजापुर जिला है जो महाराष्ट्र एवं तेलंगाना की सीमा से लगा हुआ है। बैलाडीला पहाड़ी तराइन, इंद्रावती नेशनल पार्क के क्षेत्र में माओवादी गतिविधि होती रहती है। बीजापुर में लोकतंत्र एवं सरकारी एजेंसियों पर माओवादी मनोवैज्ञानिक एवं शस्त्रों से हमला कर जनता में दहशत फैलाये हुये है।

सुरक्षाबल भी प्रति नक्सली कार्यवाही कर माओवादी सैन्य शखा से प्रभावित क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान पहुँचाने से सुरक्षा देते है, लेकिन सुरक्षाबल माओवादियों के जनसंगठन के कार्यो पर ज्यादा अंकुश नहीं लगा पाये है। इस कारण बीजापुर में जनाधार में लगातार कमी बढ़ती जा रही है।

Fig 1 BIJAPUR POLICE SUB DIVISION
SOURCE :googlemap.com

बीजापुर सुरक्षात्मक दृष्टि से बीजापुर वर्ष 1890 में पुलिस थाना बना जिसका कार्यक्षेत्र मरी नदी से लेकर तिमेड़ तक था। वर्ष 1932 में कुटरू चौकी, 1943 में गंगालूर, भैरमगढ़ चौकी, वर्ष 1984 में बेदरे चौकी का उन्नयन हुआ। वर्ष 1989 में जिला बस्तर से विभाजित कर पुलिस जिला दंतेवाड़ा गठन किया गया। 15 अगस्त 2001 को पुलिस जिला बीजापुर का गठन हुआ। उस समय जिले में चार तहसील बीजापुर, भैरमगढ़, उसूर एवं भोपालपट्टनम थे। 03 पुलिस अनुविभाग– बीजापुर, भोपालपट्टनम, आवापल्ली एवं 14 थाने बीजापुर, गंगालूर, उसूर, बासागुड़ा, पामेड़, भैरमगड़, मिरतुर, कुटरू, बेदरे, फरसेगढ़, मद्देड़, भोपालपट्टनम, भद्रकाली, तालागुड़ा व एक चौकी आवापल्ली था। वर्ष 2010 में ही जिले में 03 नये पुलिस अनुविभाग भैरगगढ़, कुटरू एवं फरसेगढ़ की स्वीकृति प्रदान की गयीं।

1 मई 2007 को जिला बीजापुर को राजस्व जिला का दर्जा प्राप्त हुआ। मुलभूत सुविधाओं एवं आवागमन की समस्या को देखते हुए वर्ष 2015 में थाना मासला एवं सेण्ड्रा का स्थान परिवर्तित कर क्रमशः नैमेड एवं इलमिड़ी में नवीन थाना खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई। वर्तमान में 05 पुलिस अनुविभाग बीजापुर, भोपालपट्टनम, आवापल्ली, कुटरू, भैरमगढ़ है तथा 21 पुलिस थाना है।[1]

बीजापुर वर्तमान स्थिति

बीजापुर, छत्तीसगढ़ का दक्षिण बस्तर जिला है और वर्तमान में माओवादी घटनाओं से ग्रसित है। इस वर्ष जनवरी 2023 से जून 2023 में माओवादी एवं प्रतिमाओवादी कें मध्य उल्लेखनीय घटनाओं की सूची निम्नलिखित हैः

दिनांक	घटना	घटना स्थल	द्वारा	विवरण	टिप्पणी	स्त्रोत[3]
01.01.23	अपहरण, हत्या	आवापल्ली जगरगुंडा रोड रिहेबिटेशन प्रोजेक्ट	माओवादी	पुलिस मुखबीरी के शक में संजय को कुरसापारा से अपहरण कर रोड में मार कर फेंक दिया गया	जनता में डर, रोड रिहेबिटेशन प्रोजेक्ट का विरोध	हिन्दुस्तान टाईम्स
11.01.23	मुठभेड़	तेलंगाना छत्तीसगढ़ रोड	सुरक्षा बल	मुठभेड़ में लीडर हिडमा के मारे जाना बताया गया	सुरक्षाबल की बड़ी कामयाबी	new indian express
11.01.23	आरोप	सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर सीमा	माओवादी	भद्रादी–काठागुदेम–अल्लुरी सितरम राजु डिविजन बीके–एएसआर के सचिव गंगा द्वारा सुरक्षा बलो के उपर ड्रोन व हेलिकॉप्टर से गाँवों पर हमला करने का आरोप तथा लीडर की मौत को नकारा	नक्सली लीडर की मौत से दक्षिण बस्तर डिविजन के सचिव के आरोप से पता चलता है कि सुरक्षा बलों द्वारा किया ऑपरेषन में हिडमा की मौत हुई है तथा दक्षिण बस्तर में अपनी साख और मनोबल को बनाये रखने हेतू सुरक्षा बलों पर आरोप लगाया गया।	हिन्दुस्तान टाईम्स

14.01.23	ब्लास्ट	पेग्डापल्ली कैम्प, तारेम पुलिस स्टेशन	माओवादी	आ. इ. डी. ब्लास्ट से सी. आर. पी. एफ. एएसआई गंभीर रूप से घायल	एएसआई की मौत	indian express
20.01.23	गिरफ्तारी	जंगल क्षेत्र इंडिनार गॉव, बांसागुडा, गंगालूर व किरांदुल क्षेत्र	सुरक्षाबल	दो माओवादी महिलों को मुठभेड़ के दौरान तीन और माओवादी पकड़े गये जिसमें गुडडु कुसराम, हुंगा तथा इंदु थे जिसमें इंदु व गुडडु 1 लाख इनामी माओवादी थे।	गंगालुर लोकल स्क्वॉड के सदस्यों का पकड़ा जाना। ऑपरेशन में और भी लोगो पकड़ा न जाना।	रिपोर्टर pioneer
29.01.23	गिरफ्तारी	भोपालपटटन, मुथामागडु, गुडियाम	सुरक्षाबल	एनआईए की रेड में पुलिस पर हमले के लिये मडकाम उंगी उर्फ कमला को गिरफ्तार किया गया। तेकालकुडियाम क्षेत्र में पुलिस पर हमला हुआ था जिसमें 22 पुलिस शहिद, 30 घायल हुये।	बड़ी संख्या में पुलिस की हताहत में जांचकर्ता द्वारा केवल एक ही अपराधी पकड़ पाये जो चिंतनीय विषय है।	Latestly.com
5.02.23	हत्या	पैकराम गॉव, आवापल्ली	माओवादी	शादी में गये मंडल अध्यक्ष नीलकंठ की हत्या की गई	जनप्रतिनिधि की हत्या से आम जनता लोकतांत्रिक गतिविधियों में भाग लेने से डरेंगे।	the hindu
20.02.23	हत्या	कडेनार गॉव भैरमगढ़	माओवादी	कडेनार गॉव में शादी समारोह में शामिल होने गये हेडकांस्टेबल पीडिराम वेटटी की हत्या	लोकल पुलिस की हत्या से गॉव में सुरक्षा को लेकर आषंका	ndtv
14.03.23	विकास कार्य को नुकसान	कोडेपाल कैम्प	माओवादी	कोडेपाल कैम्प से 2 किमी दुरी पर रखे तीन रेत के ट्रको को जला दिया गया।	विकास कार्यों का विरोध	En.lalluram.com
21.03.23	आरोप	तोडकाचोली	माओवादी	पश्चिम बस्तर कमिटी द्वारा माओवादी महिला को तडपाकर मारने का आरोप	पीपुल लिबरेशन आर्मी तथा आर्मड विंग की मौत से हुये क्षति ग्रस्त नक्सलियों ने आरोप	Jantaserista.com
21.03.23	मुठभेड़	कोरचोली, तोडका गंगालूर	सुरक्षबल डी.आर.जी.,एसटीएफ.,सी.आर.–पी.एफ.	महिला माओवादी का शव बरामद, 12 बोरा राईफल बरामद	एंटी माओवादी ऑपरेशन के दौरान माओवादी से मुठभेड़ एरिया कमिटी मेम्बर दिनेश तथा सीपीआई माओवादी कमांडर की उपस्थिति होना।	indian express
27.03.23	आइडी ब्लास्ट	इतेपाल– टीमेनार	माओवादी	पेट्रोलिंग के दौरान	माओवादी की सकियता	ndtv
30.03.23	आइडी ब्लास्ट	नलेष्नार बंगापाल गॉव	माओवादी	बम डिस्पोजल के दौरान घायल	माओवादी क्षेत्रों में बम का जाल	En.lalluram.com
27.03.23	गिरफ्तारी	मिरतुर पेटलपारा–हुर्रेपाल	पुलिस	कोरसा मंगलु, देवा, मुचाकी की गिरफ्तारी इन पर आ.इ.डी. ब्लास्ट करने का आरोप	सुरक्षाबलों की त्वरित कार्यवाही आउटलॉ आउटपुट आइडी टीम के सदस्य थे	Devidiscourse.com
01.04.23	बम, मुठभेड	तोडका	माओवादी	पुलिस पेट्रोलिंग टीम पर हमला	नक्सलियों की पुर्व ही जानकारी होना	En.lalluram.com
07.04.23	आरोप	पामेड	माओवादी	ड्रोन व हेलिकॉप्टर से दक्षिण बस्तर पर हमला का आरोप। केन्द्रिय गृहमंत्री के आने के कारण	जब भी कोई बडी हताहत या कार्यवाही होती है जोनल या कमिटी सदस्य आरोप लगाते है	Jantaserista.com
13.04.23	विकास–कार्य को नुकसान	गंगालुर	माओवादी	दो टीपर ट्रको को आग लगा दिया गया	विकास कार्य का विरोध	En.lalluram.com
17.04.23	मुठभेड़	बडे तुंगाली, जांगला पुलिस स्टेशन	माओवादी	पुलिस पर हमला एक सुरक्षाकर्मी घायल	बडी माओवादी वारदात होने बच गये	Amarujala.com
18.04.23	हमला	गंगालूर	माओवादी	बीजापुर विधायक पर हमला	बडी घटना होने से टली, कोई हताहत नहीं हुई जनप्रतिनिधि पर हमला	as Ref. 3
21.04.23	मुठभेड़	फरेसगढ़ पुलिस स्टेशन	सुरक्षाबल एस.टी.–एफ.	पांच माओवादी कैम्पो पर धावा किया गया जहॉ उन्हे आइडी ब्लास्ट का समान मिला तथा माओवादी साहित्य, युनिफार्म आदि चीजें बरामद की गयी	नेशनल पार्क एरिया कमिटी में सदस्यों की उपस्थिति थी जिसकी संख्या लगभग 25 थीं	as Ref. 3
01.04.23	हत्या	तर्रेम, तुरेनार	माओवादी	पुलिस खबरी के शक में हडमा की हत्या की गयी	गॉव में डर को फैलाने के लिये हत्या की गयी।	Timesofindia
24.05.23	गिरफ्तार	चेरपाल	पुलिस	निर्मल जुमडे को पुलिस द्वारा पकड़ा गया। उसके पास से 2500 किलो चावल व माओवादी पाम्पलेट, विस्फोटक समाग्री आदि बरामद हुये।	सिनियर नक्सलियों के लिये प्रीमियम क्वालिटी के चावल की जरूरत होती है वे सामान्य चावल नहीं खाते। लिंगेष व शांति विज्जी से एडवांस राषि लेते थे ये पष्चिम बस्तर डिविजन समिती के सदस्य है।	as Ref. 3
25.05.23	गिरफ्तार	बीजापुर	पुलिस	गजेन्द्र मंडावी एवं लक्ष्मण कुंजाम को 6 लाख रूपयों के साथ पकड़ा गया सभी नोट 2 हजार के थे।	नक्सलियों खर्च के स्त्रोत को पकड़ने के लिये पुलिस को बहुत बड़ा सबुत एवं सुराग मिला।	pragativadi
7.06.23	मुठभेड	बासागुड़ा पामेड उसुर ट्राईजंक्षन	सी.आर.पी.–एफ., कोबरा बटालियन, एस.टी.–एफ.	गोलीबारी हुई	कोई हताहत नहीं। माओवादी भागने में कामयाब	Thehindu
16.06.23	गिरफ्तार	बीजापुर, गंगालूर	पुलिस	दिनेश ताती को पकड़ा गया उसके पास से दस लाख रूपये बरामद किया गया।	गंगालूर एरिया कमिटी के 10 लाख रूपये थे उनके 2000 के नोट को खपाने के लिये एनजीओ बनकर गुमराह कर रहा था।	as Ref. 3
18.06.23	गिरफ्तार	पुसनार, गंगालुर	सुरक्षाबल	रामेश पुनेम, भीमा पुनेम, `सुक्कु ध्रवा को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से विस्फोटक समान एवं बैनर आदि प्राप्त हुये	दण्डकाराण्य आदिवासी किसान, मजदूर संगठन के सदस्य है	as Ref. 3
19.06.23	हत्या	आईपेंटा गॉव, इलमिडी पुलिस स्टेशन	माओवादी	पुलिस मुखबीर के शक में धुवा धर्मेय्या की हत्या की गई	2020 में इनके पुत्र की हत्या की गई थी। गॉव में डर	The print
19.06.23	हत्या	पताकुरू गॉव, कुटरू पुलिस स्टेशन क्षेत्र	माओवादी	चिकित्सा छुट्टी में गये असिस्टेंट कॉस्टेबल संजय की हत्या की गई।	मोडुस आूपरेंडी ऑफ द माओइस्ट का कार्य	Hindustan times
21.06.23	हत्या	इलमिडी	माओवादी	माओवादी विरोधी कार्य करने आरोप में भारतीय जनता पार्टी के नेता काका अर्जुन की हत्या कर दी गयी वे पुर्व में सरपंच भी रहे है	लोकतांत्रिक गतिविधियों में कार्य कर रहे लोगो को डराने के लिये किया गया कार्य	as Ref. 3

जनवरी से जून के समय में माओवादी गतिविधियॉ चरम पर होती है, इसलिये इस कालखण्ड की समीक्षा की गई जिसमें माओवादी फरवरी और जून के बीच टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैम्पेन चलाती है। इस दौरान माओवादिओं की सैन्य शाखा का ध्यान सुरक्षाबलों को हताहत करने पर होता है। इस अवधि को इसलिये चुना जाता है क्योंकि जुलाई में मानसून की शुरूआत के साथ जंगलो में आक्रमक अभियान चलाना मुश्किल हो जाता है, नदी

एवं नाले पानी से भर जाता है, बीजापुर के अधिकांश क्षेत्र मानसून में टापू बन जाता है।[7,8,9]

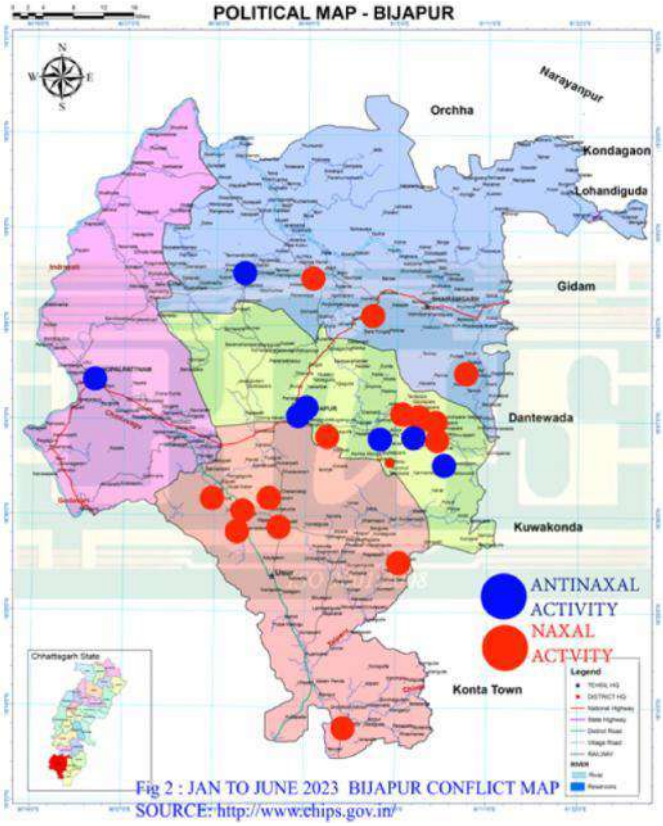

Fig 2 : JAN TO JUNE 2023 BIJAPUR CONFLICT MAP
SOURCE: http://www.chips.gov.in/

जनवरी से जून में माओवादी गतिधियों में आ.इ.डी. ब्लास्ट, अपहरण, हत्या, आरोप, विकास कार्यो में बाधा आदि किये है। इसके मुकाबले सुरक्षाबलों ने प्रति– माओवादी ऑपरेशन में माओवादी कैम्पों को तबाह करने तथा माओवादी कमांडरो को मारने में सफलता के साथ माओवादियों के धन उगाही एवं संचय तारों पर रोक लगाई है जिसमें अधिकतर प्रकरण 2000 के नोट खपाने के लिये बाजार में आये थे। शीर्ष माओवादी कमांडर गॉव के समान्य चावलों की जगह प्रीमियम चावल पसंद करते है। 25 जून 2023 को 2500 किलो चावल के साथ नर्मल को पकड़ा गया था। गंगालूर थाना क्षेत्र में माओवादी एवं प्रतिमाओवादी गतिविधि इस सत्र में बड़ी संख्या में थी। इसका प्रमुख कारण बैलाडीला पहाड़ी के तराई में होना है और यहॉ के नदीयों में जैसे मिन्यांचल नदी दुवालीपारा में पुल नहीं बन पाया है जिससे गंगालूर के आसपास के क्षेत्र अधिक मायनों में खुद को जिला मुख्यालय से कटा हुआ पाता है।

छत्तीसगढ़ में माओवादी एवं प्रतिमाओवादी गतिविधियों में मौतें[5]

DISTRICT	CIVILIAN	SF	TERRORISTS	NS	TOTAL
DANTEWADA	340	409	385	6	1140
BIJAPUR	**184**	**236**	**333**	**5**	**758**
SUKMA	97	160	168	0	425
NARAYANPUR	26	65	112	1	204

TILL 2020 DATA
Source : www.satp.org

बीजापुर में माओवादी संगठन कार्य चरम में है, क्योंकि जनवरी से जून तक के कालखण्ड में अधिकतर मुठभेडों या गिरफ्तारी में शीर्ष कमांडर या उनसे जुड़े सदस्यों का नाम आता है। प्रतिमाओवादी कार्यवाही को नकारने के लिये दक्षिण बस्तर डिविजन के सचिव गंगा आरोप लगाते है, पश्चिम बस्तर कमेटी, जोनल या एरिया कमिटी सदस्य भी लगातार प्रतिमाओवादी कार्यवाही के बाद हरकत में आ जाते है। उनके आरोपों में ड्रोन एवं हेलिकॉप्टर से बम हमला करना या महिला माओवादी को तड़पाकर मारना प्रायः होता ही है। सुरक्षाबलों के प्रतिमाओवादी कार्यवाहीं

से बौखलाकर अपनी मोडस आपरेंडी ऑफ द माओइस्ट को एक्टिव कर देती है। इनका कार्य छुट्टी में गये सुरक्षाबलों, पुलिस मुखबीरों, माओवादीयों के सूचाक को आधार बनाकर उनकी हत्या करना होता है। अधिकतर प्रकरणों में गॉव में अपनी दहशत कायम रखने के लिये हत्या होती है। माओवादी अधिकतर चुने हुये जनप्रतिनिधियों को सीधा निशाना नहीं लगाते। बीजापुर के विधायक पर हमले की बात उन्होनें नहीं स्वीकारी, जबकि विधायक द्वारा यह बयान दिया गया की उनकी गाड़ियों में गोली के निशान है। लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं की हत्या कर क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों तथा जनता में खौफ पैदा करते रहते है।

सुरक्षाबलों द्वारा पुसनार में दण्डकारण्डय आदिवासी किसान मजदूर संगठन के तीन सदस्यों, किरांदुल–गंगालूर क्षेत्र में गंगालूर लोकल स्क्वॉड, मिरतुर में आउॅट लॉ आउटपुट आइडी (ब्लास्ट) टीम के सदस्यों की गिरफ्तारी की गयी। बीजापुर पूर्व बाल संगम सदस्य एवं चेतना नाटय मंडली के दो सदस्यों ने सरेंडर किया। सुरक्षाबलों को बड़े शीर्ष कमांडरों की इनपुट मिलते ही वे त्वरित कार्यवाही करते है लेकिन, लोकल स्क्वॉड को ढाल बना शीर्ष कमांडर जंगलों में और अंदर चले जाते है।

जिला बीजापुर में छत्तीसगढ़ में माओवादी एवं प्रतिमाओवादी गतिविधियों में मौते [5]

Year	Civilians	Security Forces	Terrorists/Insurgents/Extremists	Not Specified	Total
2021	6	5	4	0	15
2022	14	4	14	0	32
2023	8	4	5	0	17

Source: www.satp.org

जनाधार

केन्द्र एवं राज्य सरकारें लोकतांत्रिक आधार पर सरकार बनाती है और उनका प्रथम मत होता है कि अधिकतम लोग लोकतंत्र के त्यौहार केन्द्र, राज्य एवं पंचायत चुनाव में शामिल हो इसके लिये क्षेत्र के जनता के लिये योजनाएं, नौकरी एवं निर्माण कार्य किया जाता है। बीजापुर की कुल जनसंख्या 2,55,230 है जिसमें 699 गॉवों में 581 गॉव निवासरत है। यहाँ पर लघु खनिज ही प्राप्त होता है। डीएमएफ की राशि वे एनएमडीसी दंतेवाड़ा से प्राप्त करते है।[2] फिर भी यहॉ का वोट प्रतिशत 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो सका है। इसका प्रमुख कारण माओवादी गतिविधियॉ है, उनकी सैन्य तथा जनसंगठन समूह बीजापुर में मजबूत स्तर में पॉव जमा लिये हैं। सुरक्षाबलों द्वारा प्रतिमाओवादी कार्यवाही से माओवादी गतिविधियों में लगाम लग जाती है, लेकिन उनका संगठन कार्य नहीं रूकता है। उन्होने लोकल एरिया स्क्वॉड को सक्रिय रखने के साथ क्षेत्रों में जनसंगठन को फैला है। बीजापुर के अंदरूनी गांव के सरपंच जिला मुख्यालय में रहते है और गांव की जनता को अपनी मांगो के लिये नक्सलियों पर निर्भर रहना पड़ता है तथा विकास कार्यो पर माओवादी विरोध से निर्माण कार्य नहीं हो पा रहे है।

मओवादी जनसंगठन[12]

दण्डकारण्ड आदिवासी किसान मजदूर संघ
क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन
आदिवासी क्रांतिकारी छात्रसंघ
क्रांतिकारी आदिवासी बालक संघ
चेतना नाट्य मंच
ग्राम पार्टी कमिटी
ग्राम रक्षा दल
ग्रामस्तरीय जनसंगठन
पंचायत रक्षा दल

माओवादियों की मांग है कि विकास कार्य जरूर हो लेकिन पुलिस कैम्प न हो। बीजापुर में जनता जल–जंगल–जमीन की बात रख लगातार आंदोलन चला रहे है, वही दूसरी ओर बहुत से गॉव जैसे सिलगेर विकास की मांग कर रहा है, उन्हे बिजली तथा मूलभूत सुविधा चाहिये। स्थानीय लोगो में जागरूकता आ रही है लेकिन उसका प्रतिशत कम है। माओवादी दबाव में उनको नक्सलियों की मदद करनी पड़ती है। माओवादी बिना जनाधार के अपने सपने को पूरा नहीं कर पायेंगे उसके लिये उन्हे बहुत से लोगो का खून बहाना होगा। बीजापुर में जनाधार को बढ़ाने के लिये सरकार एवं पुलिस को पुनः जनता के मध्य जाकर उन्हे विश्वास दिलाना होगा कि उनकी सुरक्षा एवं समस्या निदान तथा मूलभूत मांग का हल केवल सामाजिक मुख्यधारा तथा लोकतंत्र है।

15 जुलाई को महाराष्ट्र के सुरक्षाबलो ने केन्द्र सरकार को 1200 नये नक्सलियों के बारे में जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ में माओवादी पुनः वापसी कर सकता है। उन्होने कांकेर, नारायणपुर तथा बीजापुर नेशनल पार्क को प्रमुखता से चिंहित किया साथ में नक्सलियों की ''टेक्निकल एवं रिसर्च विंग'' गाडियों से (विस्फोटक रखकर) तथा ड्रोन से 5 किग्रा विस्फोटक समाग्री गिरा पुलिस स्टेशनों को उड़ाने की तैयारी कर रहे है। पुलिस स्टेशनों को निशाना बनाने का प्रमुख कारण है[13] कानून व्यवस्था खत्म कर जनताना सरकार बनाना है। बीजापुर में अधिकतर ग्रामों में जाने के लिये नक्सलियों की आज्ञा लेनी होती है। इंद्रावती नेशनल पार्क में जाने के लिये उनको 50रू की राशि देनी होती हैं।[4] 27 सितंबर 2023 को मूलनिवासी बचाओं मंच नेशनल पार्क के बैनर तले नेशनल पार्क के हजारों ग्रामीण 17 सुत्रीय मांगो को लेकर अनिष्चितकालीन धरने में बैठ गये थे। ग्रामीणों की मांग है कि बिना ग्रामसभा के नेशनल पार्क में पुल, पुलिया और सड़क निर्माण न कराया जाये। इस धरने में 156 गॉव के हजारों ग्रामीण कुटरू के अम्बेली में शामिल थे। उनका मत यह था कि पुल, पुलिया और सड़क निर्माण से आने वाले समय में पर्यावरण को नुकसान हो सकता है।[11]

सुरक्षाबल प्रतिमाओवादी कार्यवाही के साथ कम्युनिटी पुलिसिंग पर कार्य कर रहे है। युवाओं से संपर्क साध गॉव में जाकर पुलिस व जनता के मध्य विश्वास बढ़ा रहे है। गॉव में विकास के लिये कैम्पों की आवश्कता होती है क्योंकि उनके बिना विकास कार्य में लगे संसाधनों को माओवादी तबाह कर देते है। बीजापुर में जनाधार के लिये स्थानीय लोगों को जिला मुख्यालय से जोड़ना होगा। बाधित विकास कार्यो में तेजी लानी होगी क्योंकि विकास के लिये सड़क एवं पुलों की प्राथमिकता है। अंदुरूनी जगह पर कार्य अभी मुश्किल है, लेकिन जिला मुख्यालय के पास लगे गॉव का विकास कर अंदरूनी गाँव की जनता में विकास की ललक लानी होगी। जनसंगठन का मुकाबला विकास से ही कर सकते है। माओवादी सैन्य शाखा किसी भी स्तर में सुरक्षाबलों का मुकाबला कर नहीं सकेगी।

निष्कर्ष

राज्य सरकार सभी जिलों, शहरों, गॉवों में लोकतंत्र को आधार बनाकर कार्य करती है। राज्य सरकार जनता के सभी योजनाएँ एवं मूलभूत संसाधन, निर्माण उपलब्ध कराती है। माओवादी संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में जनता का संपर्क प्रषासन एवं शासन के मध्य सीधा न होने के कारण वहॉ की जरूरतों का पता लगाने में एक कदम पीछे रहती है साथ ही सघन भौगोलिक वातावरण होना भी इसका प्रमुख कारण है। सुरक्षाबल माओवादी सैन्य को पीछे ढकेले हुये है, साथ में उनके धन संचय एवं नेटवर्क पर नकेल कसते जा रहे है। माओवादियों की नई भर्ती सुरक्षात्मक दृष्टि से चिंता का विषय है। जिले में कम्युनिटी पुलिसिंग कार्यक्रमों को और बढ़ाने की आवश्कता है जिससे जनता एवं जिला मुख्यालय, प्रशासन तथा शासन से जुड़े रहें। अच्छी बात यह है की अंदुरूनी क्षेत्रों की जनता जल–जंगल–जमीन छोड़ बिजली, पानी जैसी मुख्य चीजों की मांग उठाना शुरू कर दिये है, लेकिन राजनीतिक दलों के नेताओं की हत्या जनता की मांगो को दहशत से शांत कर देते है। यदि प्रशासन छोटे–छोटे स्तर में गाँव की जनता से जुडेंगे तभी क्षेत्रों में जनाधार लोकतंत्र एवं विकास के लिये और बढ़ेगा।

संदर्भ सूची

1. BIJAPUR POLICE. (n.d.). https://www.bijapurpolice.cg.gov.in/. Accessed 1 December 2023.

2. Demography | District Bijapur | India. (n.d.). https://bijapur.gov.in/en/demography/ Accessed 1 December 2023.
3. Timeline Terrorist Activities, Chhattisgarh (Maoist insurgency). (n.d.). https://www.satp.org/terrorist-activity/india-maoistinsurgency-chhattisgarh. Accessed 25 November 2023.
4. Patel, G. (2023, June 15). Jagdalpur News: इंद्रावती टाइगर रिजर्व में आज भी 50 रुपऐ की एंट्री फीस वसूलते हैं माओवादी नक्सली. Bansal News. https://bansalnews.com/jagdalpur-news-maoist-naxalites-still-charge-entry-fee-of-rs-50-in-indravati-tiger-reserve-gul/ Accessed 25 November 2023.
5. datasheet-terrorist-attack-fatalities. (n.d.). https://www.satp.org/datasheet-terrorist-attack/fatalities/india-maoistinsurgency-chhattisgarh-bijapur. Accessed 25 November 2023.
6. Bose, S. (2023, May 8). Jt task force hub to drive Reds out of natl park. The Times of India. https://timesofindia.indiatimes.com/city/nagpur/jt-task-force-hub-to-drive-reds-out-of-natl-park/articleshow/100061105.cms
7. Tiwari, D. (2023, April 27).फरवरी से जून नक्सलियों के लिए है हमलों का मौसम, इस साल ढाई महीने में ही तोड़ दिया 2021 और 22 का रिकॉर्ड. Jansatta. https://www.jansatta.com/explained/why-naxalite-attacks-increase-in-february-to-june-know-about-their-special-campaign-tcoc/2780834/
8. Aajtak.In. (2023, April 27). दंडकारण्य का जंगल कैसे बना हुआ है नक्सलियों का गढ़घ् इतने प्लान और ऑपरेशन के बावजूद क्यों बरकरार है खतरा, आज तक. https://www.aajtak.in/explained/story/dantewada-naxal-attack-how-naxalism-grew-in-chhattisgarh-dandakaranya-forest-ntc-1683342-2023-04-27
9. Thakur, S. (2023, April 27). या है नक्सलियों का बड़ा हथियार TCOC, क्यों मार्च से जून के बीच ही ज्यादा हमले. Hindustan. https://www.livehindustan.com/jharkhand/story-naxalite-use-tcoc-between-march-and-june-to-attack-security-forces-8092403.html
10. Bijapur · Chhattisgarh 494444. (n.d.). Bijapur · Chhattisgarh 494444. https://www.google.com/maps/place/Bijapur,+Chhattisgarh+494444/@18.7970377,80.8139179,15z/data=!3m1!4b1!4m6!3m5!1s0x3a318810bc8b08b1:0x414e337c25d5691e!8m2!3d18.7963075!4d80.815622!16s%2Fm%2F0vptj43?entry=ttu
11. Team, A. U. D. (2023, September 27). बीजापुरः 17 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठा मूलवासी मंचए 156 गांव आए साथ. Amar Ujala. https://www.amarujala.com/chhattisgarh/bijapur/mulvasi-manch-sitting-on-indefinite-strike-regarding-17-point-demands-in-bijapur-2023-09-27
12. Pandey, Girish Kant, chhattisgarh mai Naksalvadi gatividhiyo ka vishleshnatmak adhyayan, 2013
13. Timeline Terrorist Activities, Chhattisgarh (Maoist insurgency). (n.d.). https://www.satp.org/terrorist-activity/india-maoistinsurgency-chhattisgarh-Jul-2023

——==00==——